न्यूज डायरी

मरियम नवाज ने कसा तंज, पूछा– क्या इमरान पवित्र गाय हैं?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधा। उन्होंने पीएम को आड़े हाथ लेते हुए उनकी सरकार पर कई सवाल उठाए। मरियम नवाज ने एक पत्रकार की गिरफ्तारी पर पीएम इमरान खान पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या प्रधानमंत्री श्पवित्र गायश हैं, जिनकी लूट और विफलताओं की आलोचना नहीं की जा सकती। सोमवार को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने ट्वीट कर कहा, दिन के उजाले में साबिर महमूद हाशमी का अपहरण सरकार के मोहभंग की गवाही देता है। क्या इमरान खान एक पवित्र गाय है, जिनकी लूट और विफलताओं की आलोचना नहीं की जा सकती है? सोमवार को केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्रधानमंत्री इमरान खान ने व्यक्तिगत हमलों में शामिल अभद्र प्रवृत्ति पर नाराजगी व्यक्त की थी।

इमरान खान ने फिर छेड़ा कश्मीर राग बोले–कश्मीर का विवाद चिंता का विषय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि कश्मीर का अनसुलझा विवाद चिंता का विषय है और दोनों देशों को अच्छे पड़ोसी की तरह वार्ता की मेज पर इस मामले का समाधान करना चाहिए। खान ने समाचार चौनल सीएनएन को दिए साक्षात्कार में कहा, ''अगर यह मुद्दा जारी रहता है तो हमेशा दोनों परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष होने की आशंका कायम रहेगी। तो आपके सवाल पर मेरा जवाब है, हां यह मुझे चिंतित करती है।'' उन्होंने कहा, ''और हमारा एकमात्र मुद्दा कश्मीर है और हमें अच्छे पड़ोसी की तरह वार्ता की मेज पर इसका समाधान करना चाहिए।''
उल्लेखनीय है कि भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट कर दिया है कि उसकी इच्छा इस्लामाबाद के साथ आतंकवाद विद्वेष और हिंसा से मुक्त माहौल में सामान्य पड़ोसी की तरह संबंध स्थापित करने की है।

आने वाले दिनों में ताइवान पर और आक्रामक हो सकता है चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच उभरे तनाव के बीच लगातार बीजिंग में चल रहे विंटर ओलंपिक गेम्स 2022 का भी शोर गाहे–बगाहे सुनाई दे रहा है। अमेरिका के बाद अब यूक्रेन ने भी यह कहकर सनसनी फैला दी है कि रूस इन गेम्स के बीच 16 फरवरी को उस पर हमला कर सकता है। बीजिंग में चल रहे ये गेम्ब्स 4 फरवरी 2022 को शुरू हुए थे और ये 20 फरवरी 2022 तक चलेंगे। इसके आगाज का हिस्ब्सा बनने खुद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी बीजिंग गए थे और वहां पर उनकी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से कई मुद्दों पर बात हुई थी। इस दौरान दोनों के बीच अहम समझौते भी हुए थे। पश्चिमी देशों और अमेरिका ने इस नए गठबंधन को अपने खिलाफ एकजुट होने के रूप में देखा था।

रूस के हमले के डर के बीच यूक्रेन में बुधवार को डे ऑफ यूनिटी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूस के हमले के डर के बीच बुधवार को यूक्रेन में डे ऑफ यूनिटी मनाया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपनी एक फेसबुक पोस्ट में यह ऐलान किया था। जेलेंस्की ने पहले फेसबुक पोस्ट में राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि हमें बताया गया है कि रूस की ओर से यूक्रेन पर हमले की तारीख 16 फरवरी है। इसी दौरान उन्होंने यूक्रेन बुधवार को डे ऑफ यूनिटी आयोजित करने की घोषणा की। हालांकि बाद में उनके प्रवक्ता Sergii Nykyforov ने कहा कि जेलेंस्की ने यूक्रेन पर 16 फरवरी को हमले की बात चल रहीं मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर कही थी। अमेरिका, रूस के हमले के बारे में यूक्रेन को पहले की आगाह कर चुका है। लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें अब तक इस संबंध में संतोषजनक सबूत नहीं मिले हैं। कहा जा रहा है कि यूक्रेन की सीमा पर 1.30 लाख से ज्यादा रूसी सैनिक तैनात हो चुके हैं।

यूक्रेन के चारों तरफ रूस ने इकट्ठा किया तबाही का सामान

दावा

रिपोर्ट्स का दावा, यूक्रेन के तीनों तरफ मौजूद हैं रूस के 1,30,000 सैनिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
मॉस्को। कई रिपोर्ट्स दावा कर चुकी हैं कि बड़ी संख्या में रूसी सैन्य बल यूक्रेन की सीमाओं पर मौजूद है। अब नई सैटेलाइट तस्वीरें इसकी पुष्टि कर रही हैं जिसमें रूसी जमावड़े को देखा जा सकता है। तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि बीते 48 घंटों में यूक्रेन सीमा के निकट सैन्य गतिविधि बढ़ गई है। ये तस्वीरें ऐसे समय पर सामने आई हैं जब कहा जा रहा है कि रूस बिना किसी चेतावनी के, किसी भी वक्त यूक्रेन पर हमला कर सकता है। हाई–रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें बीते 48 घंटों में ली गई हैं। इसमें बेलारूस, क्रीमिया और पश्चिमी रूस में बड़े पैमाने पर सैन्य जमावड़े को देखा जा सकता है। हालिया गतिविधियों में कई बड़ी सैन्य टुकड़ियों और हेलिकॉप्टर का सीमा के निकट इकट्ठा होना शामिल है। तस्वीरों में अग्रिम मोर्चों पर तैनात लड़ाकू विमानों और फाइटर–बॉम्बर्स को देखा जा सकता है। कई थल सैन्य इकाइयां अपनी चौकियों को छोड़कर लड़ाकू इकाइयों के साथ काफिले में शामिल हो चुकी हैं।

यूक्रेन को तीन तरफ से रूस ने घेरा
रूस ने ज्यादातर यूक्रेन के उत्तर और उत्तर–पूर्व में अपनी सेना की मौजूदगी को बढ़ाया है। इसमें यूक्रेन के दक्षिणपूर्व और क्रीमिया में एक बड़ा एयरबेस भी शामिल है, जिस पर 2014 में रूस ने कब्जा कर लिया था। मौजूदा अनुमान के मुताबिक करीब 1,30,000 रूसी सैनिकों ने यूक्रेन की सीमाओं की घेर लिया है। रूस के लड़ाकू विमान लगातार यूक्रेन सीमा के निकट गश्त कर रहे हैं। साथ ही रूस ने अपने एस–400 एयर डिफेंस सिस्टम को बेलारूस–यूक्रेन सीमा पर तैनात कर दिया है।

युद्ध की तैयारियों को बता रहा अभ्यासः रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा कि आने वाले दिनों में रूस काला सागर और अजोव सागर में नैसेना अभ्यास भी शुरू कर सकता है। इन अभ्यासों को पश्चिमी विशेषज्ञ युद्ध की तैयारियों का हिस्सा बता रहे हैं। रूस ने अपनी सेना को बेलारूस में भी भेज दिया है जिसे वह संयुक्त युद्धाभ्यास नाम दे रहा है। इस अभ्यास की शुरुआत 10 फरवरी को हुई थी और माना जा रहा है कि यह 10 दिन तक चलेगा। पश्चिमी विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ एक छलावा है। वास्तव में रूस ने उत्तरी सीमा से हमला करने के लिए अपनी सेना को बेलारूस भेजा है।

दूतावास ने जारी की एडवाइजरी
कीव स्थित भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि यूक्रेन में मौजूदा परिस्थितियों की अस्थिरता को देखते हुए यूक्रेन में रहने वाले भारतीय नागरिक, खासकर छात्र, जिनका रुकना जरूरी नहीं है, वे अस्थायी रूप से देश छोड़ दें।

भारतीय नागरिकों को भी सलाह दी जाती है कि गैर–जरूरी कारणों से यूक्रेन की यात्रा करने से बचें। भारतीय नागरिकों से विनती है कि दूतावास को यूक्रेन में अपनी स्थिति के बारे में जानकारी देते रहें ताकि जरूरत पड़ने पर दूतावास उन तक पहुंचने में सक्षम रहे।

चीन पर पाकिस्तान की पूरी निर्भरता भी दिखती है साफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। इमरान खान की हाल की चीन यात्रा एक चीन की नीति, ताइवान, दक्षिण चीन सागर, हांगकांग, शिनजियांग और तिब्बत के मुद्दों को बिना शर्त समर्थन देती है। इससे चीन पर पाकिस्तान की पूरी निर्भरता भी साफ दिखती है। अपने आका चीन से संबंधों को वह किसी भी कीमत पर सर्वोच्च वरीयता देता है।

थिंक टैंक पालिसी रीसर्च ग्रुप (पोरेज) के अनुसार चीन की अपनी चार दिन की यात्रा के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नासिर्फ बीजिंग में हो रहे विंटर ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह में शिरकत की बल्कि चीन के सर्वोच्च नेताओं से भी मुलाकात की। उनके इस चीन दौरे का मूल उद्देश्य पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए कर्ज और सहायता लेना था।

थिंक टैंक का मानना है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान भू–राजनीतिक मुद्दों पर और नजदीकी बढ़ाने के लिए शिनजियांग और हांगकांग पर भी चीनी भाषा बोलते हैं। इमरान खान ने जोर देकर कहा है कि वह चीन के सभी अहम मुद्दों को पूरा समर्थन देते हैं। इसीलिए इमरान के ताजा चीन दौरे ने साबित कर दिया है कि वह पूरी तरह से अब चीन के पिछलग्गू बनकर रह गए हैं।

पाक–अफगान बॉर्डर पर सजती है अमेरिकी हथियारों की मंडी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में 20 साल तक अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ युद्ध लड़ता रहा। पिछले साल अमेरिका और NATO की सेनाओं ने तालिबान को कमान सौंपने के बाद विदाई तो ले ली मगर अपने पीछे हथियारों और गोला–बारूद का जखीरा छोड़ गए। अमेरिका ने जो हथियार पीछे छोड़े, उनकी बदौलत पाकिस्तान में अत्याधुनिक अथियारों का एक पूरा अवैध बाजार खड़ा हो गया है। यह बाजार डूरंड लाइन से सटे पाकिस्तान के सबसे सुदूर कस्बे, लंडी कोटल में लगता है। खैबर जिले के लंडी कोटल में अमेरिका और NATO देशों की मार्किंग्स वाले हथियार खुले में बिकते हैं। तस्वीर में अमेरिकी सरकार के मार्किंग वाली M16 राइफल है।

हिजाब विवाद में कूदा मुस्लिम देशों का संगठन ओआईसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
रियाद। भारत में चल रहे हिजाब विवाद में अब इस्लामिक देशों का संगठन ओआईसी भी कूद पड़ा है। इस्लामिक सहयोग संगठन ने हिजाब विवाद, धर्म संसद और मुस्लिम महिलाओं को ऑनलाइन निशाना बनाए जाने की खबरों को लेकर टिप्पणी की है। संगठन के महासचिव हुसैन इब्राहिम ताहिर ने संयुक्त राष्ट्र से इन मामलों को लेकर जरूरी कदम उठाने के लिए अपील की है।

अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ओआईसी ने कहा, इस्लामिक सहयोग संगठन के महासचिव ने उत्तराखंड के हरिद्वार में हिंदुत्व समर्थकों की ओर से मुसलमानों के नरसंहार के लिए आह्वान, सोशल मीडिया साइट्स पर मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाओं, साथ ही कर्नाटक में मुस्लिम छात्राओं के हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने पर गहरी चिंता जताई है। इससे पहले पाकिस्तान और अमेरिका भी हिजाब विवाद पर टिप्पणी कर चुके हैं।

भारत से की अपने मुस्लिम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील

संयुक्त राष्ट्र से जरूरी कदम उठाने की अपीलः ट्वीट में कहा गया, ओआईसी के महासचिव ने इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार परिषद से जरूरी कदम उठाने का आह्वान किया है। ओआईसी एक बार फिर भारत से आग्रह करता है कि मुस्लिम समुदाय के जीने के अधिकार की रक्षा करते हुए इसके सदस्यों के हितों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करे। साथ ही उनके खिलाफ हिंसा और नफरत जैसे अपराधों को भड़काने वालों और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाए।

उइगर पर चुप रहता है मुस्लिम संगठनः 25 सितंबर 1969 में बने इस संगठन का पाकिस्तान संस्थापक सदस्य है। दुनिया में मुसलमानों की दूसरी सबसे ज्यादा आबादी वाला भारत इस संगठन का सदस्य नहीं है। पाकिस्तान शुरू से ही इस संगठन का उपयोग भारत के खिलाफ करता आया है।

यूक्रेन के समर्थन में खुलकर आया कनाडा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने 16 फरवरी को रूस द्वारा हमले का दावा कर हलचल और बढ़ा दी है। यूक्रेन को अमेरिका के अलावा कुछ और देशों का भी समर्थन मिल रहा है। इसी बीच, कनाडा ने भी यूक्रेन की मदद करने का फैसला किया है। कनाडा यूक्रेन को 70 लाख डालर से अधिक के घातक हथियार भेजेगा। कनाडा सरकार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि कनाडा यूक्रेन के सशस्त्र बलों को 70 लाख डालर से अधिक के घातक हथियार और सहायता सामग्री दान करेगा। हथियारों में मशीनगन, पिस्तौल, कार्बाइन, 1.5 मिलियन राउंड गोला बारूद, स्नाइपर राइफल और विभिन्न संबंधित उपकरण शामिल हैं। कनाडा ने यूक्रेन की सरकार को अतिरिक्त सैन्य सहायता के लिए अधिकृत किया है जिससे यूक्रेन के सुरक्षाबलों को मदद मिल सके। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि कनाडा यूक्रेन की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के समर्थन में दृढ़ है।